ब्रह्मा जी की आरती

पितु मातु सहायक स्वामी सखा,

तुम ही एक नाथ हमारे हो।

जिनके कछु और आधार नहीं,

तिनके तुम ही रखवारे हो।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सब भाँति सदा सुखदायक हो,

दुःख निर्गुण नाशन हारे हो।

प्रतिपाल करो सिगरे जग को,

अतिशय करुणा उर धारे हो।

भुलि हैं हम तो तुमको,

तुम तो हमरी सुधि नाहिं बिसारे हो।

उपकारन को कछु अन्त नहीं,
छिन ही छिन जो विस्तारे हो।

महाराज महा महिमा तुम्हरी,
मुझसे बिरले बुधवारे हो।

शुभ शान्ति निकेतन प्रेमनिधि,
मन मन्दिर के उजियारे हो।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

इस जीवन के तुम जीवन हो,

इन प्राणन के तुम प्यारे हो।

तुम सों प्रभु पाय प्रताप हरि,

केहि के अब और सहारे हो ।

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य आरतिया पढ़ें

- गणेश जी
- रविदास जी
- हनुमान जी
- महावीर भगवान
- शनि देव
- शारदा माता
- अम्बे तू है जगदम्बे
- भैरव आरती
- ओम जय जगदीश हरे
- राधा जी
- साईं बाबा
- पितर
- बालाजी
- पार्वती जी
- बाबा रामदेव जी
- आरती कुंजबिहारी

- जय शिव ओंकारा
- अन्नपूर्णा माता
- महालक्ष्मी जी
- ब्रह्मा जी
- तुलसी माता
- शाकंभरी माता
- गंगा मैया
- प्रेतराज सरकार
- सूर्य भगवान
- परशुराम जी
- नर्मदा जी
- बटुक भैरव
- कृष्ण आरती
- श्री विंध्येश्वरी
- विश्वकर्मा जी
- बाबा गंगाराम जी
- शीतला माता
- बगलामुखी आरती
- जाहरवीर बाबा
- आरती ललिता जी की

हिंदीपथ.कॉम

- गुरु गोरखनाथ
- रघुवर लला
- लड्डू गोपाल
- गीता जी
- बद्रीनाथ
- श्री रामायण जी
- सरस्वती माता
- गौ माता
- केदारनाथ की
- बाबा बालक नाथ की
- श्री भागवत भगवान
- गोलू देवता की

हिन्दीपथ.कॉम